Roll No. ..... Total Pages : 4

MDQ/M-21 **11532**

कबीरदास

Paper–X (i)
Opt. (i)

Time : Three Hours] [Maximum Marks : 80

नोट : निर्देशानुसार सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. निम्नलिखित अवतरणों में से किन्हीं **तीन** की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए :

(क) बहुत दिनन थै मैं प्रीतम पाये, भाग बड़े घरि बैठे आये।।
मंगलचार माँहि मन राखौ, राम रसाँइन रसना चाणै।
मंदिर माँहि भयो उजियारा, ले सुतो अपना पीव पियारा।।
मैं रनि राती से निधि पाई, हमहिं कहाँ यह तुमहि बड़ाई।
कहै कबीर मैं कछु न कीन्हा सखी सुहाग मोहि दीन्हा।।

(ख) अब मोहि ले चलि नणद के वीर, अपनै देसा।
इन पंचनि मिलि लूटी हूँ, कुसंग अहि बदेसा।।
गंग तीर मोरी खेती बारी, जमुन तीर खरिहानाँ।
सातौं बिरही मेरे निपजै, पंचूँ मोर किसानाँ।।
कहै कबीर यह अकथ कथा है, कहताँ कही न जाई।
सहज भाइ जिहिं ऊपजै, ते राम रहै समाई।।

(ग) निरगुण राँम निरगुण राँम जपहु रे भाई, अविगति की गति लखी न जाई।।
चारि वेद जाकै सुमृत पुराँनौ नौ व्याकरनाँ मरम न जाँनाँ।।
सेस नाग जाकै गरड समाँनाँ, चरन कवल कवलाँ नहीं जाँनाँ।।
कहै कबीर जाकै भेदै नाँही, निज जन बैठे हरि की छही।।

(घ) अवधू गगन मंडल घर कीजै, अमृत झरै सदा सुख उपजे
नंक नालि रस पीजै।।
मूल बाँधि सर गगन समाना, सुखमन यों तन लागी।
काम क्रोध दोऊ भया पलीता, तहँ जोनणी जागी।।
मनवाँ जाइ दरीनै बैठा, गगन भया रसि लागा।
कहै कबीर जिय सेसा नाँही, सबद अनाहद बागा।।

(ङ) हरि ठग जग कौ ठगौरी लाई, हरि के वियोग कैसे जीऊँ मेरी
माई।।
कौन पूरिष कौ काकी नारी, अभिअतंरि तुम्हलेहु बिचारी।।
कौन पूत को काको बाप, कौन मरैं कौन करै संताप
कहै कबीर ठग सौं मन माना, गई ठगौरी ठग पहिचाना।।

(च) मेरी मेरी दुनिया करते, मोह मछर तन धरते।
आगे पीर मुकदम होते, वै भी गये यौं करते।।
जिसकी ममा चचा पुनि किसका, किसका पंगड़ा जोई।।
यहु संसार बजार मड्या है, जानेगा जग कोई।।
मैं परदेसी काहि पुकारौं, इहाँ नहीं को मेरा।। (7×3=21)

2. निम्नलिखित आलोचनात्मक प्रश्नों में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(क) कबीर समन्वयवादी थे – तर्क सम्मत समीक्षा कीजिए।

(ख) कबीरदास के काव्य में सौन्दर्य-भावना पर प्रकाश डालिए।

(ग) कबीर काव्य की रसानुभूति में वियोग श्रृंगार की विवेचना कीजिए।

(घ) ''क्या कबीर साहब का साहित्य कविता के मानदण्डों पर खरा उतरता है?'' इस कथन के संदर्भ में कबीर की कविता का मूल्यांकन कीजिए।

(ङ) कबीरदास के काव्य की प्रतीक योजना की समीक्षा कीजिए।

(च) रचना शैली की दृष्टि से कबीर के साहित्य का मूल्यांकन कीजिए। (12×3=36)

3. निम्नलिखित लघूत्तरी प्रश्नों में से किन्हीं **पाँच** के उत्तर लगभग 250 शब्दों में दीजिए :

(क) कबीरदास का प्रेम निरूपण।

(ख) मध्यकालीन विचारकों में कबीर का स्थान।

(ग) आज के संदर्भ में कबीर के काव्य की प्रासंगिकता।

(घ) कबीर के काव्य में अलंकार योजना।

(ङ) कबीर के काव्य में छंद योजना।

(च) कबीर के साहित्य में काव्य रूप।

(छ) 'सहज' व 'खसम' शब्दों पर टिप्पणी।

(ज) कबीर के साहित्य में उल्टबांसियाँ।

(झ) कबीर के काव्य में संयोग श्रृंगार।

(ञ) 'शून्य' व 'निरंजन' शब्दों पर टिप्पणी। (3×5=15)

4. निम्नलिखित वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(क) कबीर की रचना शैलियाँ कौन-कौन सी हैं?

(ख) कबीर के पदों में किसकी प्रधानता है?

(ग) विरह की चोट को कौन जानता है?

(घ) कबीर वाणी के अधिकांश पारिभाषिक शब्द किस मत से संबद्ध है?

(ङ) कबीरदास जीविकोपार्जन के लिए किस व्यवसाय से संबद्ध थे?

(च) 'बिन्दू' शब्द का अर्थ लिखो।

(छ) 'कबीर ग्रंथावली' के प्रकाशक का नाम लिखो।

(ज) कबीर की भाषा को सधुक्कड़ी किसने कहा है?

(1×8=8)